



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 544]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 18, 1989/आश्विन 26, 1911

No. 544]

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 18, 1989/ASVINA 26, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

प्राकृत नियम

(स्वास्थ्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 1989

सा.का.नि. 902(घ).—खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम 1955 का और संशोधन करने के लिए कतिपय प्राकृत नियम जिन्हें केन्द्रीय सरकार खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम 1954 (1954 का 37) की द्वारा 23 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और केन्द्रीय खाद्य मामक समिति से परामर्श करने के पश्चात् बनाना चाहती है उक्त अधिनियम की धारा 23 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है जानकारी के लिए प्रकाशित किए जाते हैं और सूचना दी जाती है कि उक्त प्राकृत नियमों पर उस तारीख से जिसको उस राजपत्र की प्रतियाँ जिसमें यह अधिसूचना प्रकाशित की जाती है जनता को उपलब्ध कराई जाती हैं साठ दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

ऐसे आक्षेपों या सुझावों पर जो उक्त नियमों की बाबत इस प्रकार विनिर्दिष्ट कालावधि की समाप्ति के पूर्व किसी व्यक्ति से प्राप्त किए जाएं केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम खाद्य अपमिश्रण निवारण (संशोधन) नियम 1989 है।

2. खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम 1955 (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) में उक्त नियमों के नियम 20 में "और गुरु" शब्दों के स्थान पर जहाँ-जहाँ वे आते हैं निम्नलिखित शब्द रखे जाएंगे अर्थात्:—

3. "गुरु काफी और चाय"।

3. नियम 42 में—

(क) उपनियम (घ) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा अर्थात्

"(घ) खाद्य के प्रत्येक पैकेज पर जिसमें मोनोसोडियम ग्लूटामेट मिला है निम्नलिखित लेबल होगा अर्थात्:—

————— के इस पैकेज में मोनोसोडियम ग्लूटामेट मिला है।

यह बारह मास से कम आयु के बच्चों के उपयोग के लिए नहीं है।

(ख) उपनिष (प) का जोष किया जाएगा।

(ग) उपनिष (यय) (2) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा अर्थात्—

“(यय) (2)—खाद्य मधुकारक के रूप में विपणित किए गए एसपर्टेम (मेथिल एस्टर) के प्रत्येक पैकेज पर निम्नलिखित लेबल होगा अर्थात्—

(क) मधुमेह के रोगियों के लिए कुष्ठिम मधुकारक,

(ख) गर्भवती स्त्रियों और केनिलकीटनमेषियों के लिए नहीं।

(4) उक्त नियमों के नियम 62 में परन्तु के पश्चात् निम्नलिखित परन्तु अन्तःस्थापित किया जाएगा अर्थात्—

“परन्तु यह और कि केनिलकीटनमेष, या सोडियम फेरोसाइनाइड की, अकेले या संयोजन के साथ, जिसे फेरोसाइनाइड के रूप में अभिव्यक्त किया गया है, 10 मिलीग्राम/किलोग्राम से अधिक मात्रा में निर्वात वाष्पित लवण में क्रिस्टल स्फोटकों और प्रतिपिण्डकों (एंटी केकिंग एजेंट) के रूप में उपयोग किया जा सकेगा।

(5) उक्त नियमों के परिशिष्ट ‘ब’ में—

(क) मव क.16.14 के पश्चात् निम्नलिखित मव अन्तःस्थापित की जाएगी अर्थात्—

“क.16.15—फल जैली से ऐसा उत्पाद अभिमिश्र है जो जल छानकर या उसके बिना फल या उसके टुकड़े उबालकर, छाया हुआ और साफ रस का निष्कर्षण चीनी के साथ मिश्रित करके और मिश्रण को ऐसी अवस्था तक उबालकर जिस पर वह जेल के रूप में नहीं जमेगा, तैयार किया गया हो। उत्पाद परदर्शी अर्न्तः सतह से जमा हुआ होगा किन्तु अधिक कठोर नहीं होगा और उसमें फल की मूल सुवास होनी चाहिए।

इसमें चीनी डेक्सट्रोज, इन्वर्टे चीनी या सब रनूकोज, वूटी (हर्न), मसाले, मधु, फल सार और सुवचिकारक शुष्क फल एस्कार्विक अम्ल सौद्रिक अम्ल और परिरक्षी होंगे। यह कुष्ठिम मधुकारकों से मुक्त होगा। इसमें किण्वन के कोई चिह्न नहीं होंगे। इसमें नामित फल का कम से कम 45 प्रतिशत होगा। कुल विलेय ठोस भा./भा. 68 प्रतिशत से कम नहीं होगा। यह बाह्य पाचक सामग्री विरजित या विवर्णित या क्षत फल सामग्री से मुक्त होगा। उत्पाद साफ होगा और उसमें कोई बहन बूटि नहीं होगी।

क.16.16 अचार से ऐसी निर्मिति अभिमिश्र है जो अच्छे साफ कच्चे या पर्याप्त रूप से पके फलों या वनस्पतियों या दोनों के सम्मिश्रण से बनाई गई हो और कीटशक्ति या फफूंदी से मुक्त हो।

इसमें फल और/या वनस्पति और कोई द्रव अथवा अर्धद्रव ऐसा वैकिंग माध्यम होगा जिसमें लवण गम मसाले और मसाले सहित निम्नलिखित सम्मिश्रण में से दो या अधिक होंगे। अचार में याज, लहसुन, अदरक, चीनी, गुड़, खाद्य तेल, मसाला तेल, सरसों या उसका चूरा, वनस्पति अल्बर्बेसुएं, एसकाइनाइड, हल्दी कार्मा मिर्च, ब्रगल ग्राम, नींबू रस, हरी मिर्च केनरीक, सिरका, सिट्रम रस और मूखे फल होंगे।

1. सम्मिश्रण :—

(i) सिट्रस रस या लवण जल में अचार समाविष्ट करने वाले द्रव में लवण की प्रतिशतता, जब उसका उपयोग बड़े परिरक्षणकर्ता के रूप में किया जाए हो 10 प्रतिशत से कम नहीं होगी। जब अचार को सिट्रिक रस में पैक किया गया हो तो समाविष्ट

करने वाले द्रव की घनता सीट्रिक अम्ल के रूप में परिगणित 2 प्रतिशत से कम नहीं होगी।

(ii) तेल में अचार: अंतिम उत्पाद में फल या वनस्पति प्रतिशतता 60 प्रतिशत से कम नहीं होगी। अचार तेल से घाबृत होगा जिससे अचार की अन्तर्वस्तु के उपर कम से कम 0.5 ग्राम की तेल की एक परत बन जाए अथवा अचार में तेल की प्रतिशतता 10 प्रतिशत से कम नहीं होगी।

ए.16.17—सिरके में अचार: सिरके में अचार से ऐसी निर्मिति अभिमिश्र है जो अच्छे साफ कच्चे या पर्याप्त रूप से पके हुए ऐसे फलों या वनस्पति से बनाई गई हो जो कीटशक्ति या फफूंदी से उमुक्त हो जो लवण जल या मूखे लवण में अथवा लवणित और शुष्क स्टेक में प्राकृतिक किण्वन के साथ या उसके बिना संसाधित किया गया हो इसमें सिरका होगा। इसमें चीनी संपूर्ण या पिसे हुए या अर्धपिसे हुए मसाले, शुष्क, फल, हरी और लाल मिर्च, अदरक और उत्पाद के लिए उपयुक्त अर्न्तःवस्तुएं होंगी। द्रव भाग की घनता की प्रतिशतता एसिटिक अम्ल के रूप में परिगणित 2 प्रतिशत भार से कम नहीं होगी।

उत्पाद का कर्षण भार 60 प्रतिशत से कम नहीं होगा। अचार के द्रव भाग में री सिरका है मसालों, लवण और चीनी से विभक्त बोर्ड अन्तर्वस्तु नहीं होगी। उत्पाद क्लेस्ट म मुक्त होगा।

[मं. पी. 15014/5/88-पी.एच (भार

एंड एन]

श्रीमती विनीता राय, संयुक्त सचिव

टिप्पण खाद्य अभिमिश्रण निवारण नियम, 1955 प्रथम बार भारत के राजपत्र के भाग 2, खंड 3 में का. नि. भा. 2106, तारीख 12-9-55 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात् उनमें निम्नलिखित द्वारा संशोधन किया गया—

1. का.नि.भा. 1202 दिनांक 26-5-56
2. का.नि.भा. 1687 दिनांक 28-7-56
3. का.नि.भा. 2213 दिनांक 28-9-56 (भसाधारण)
4. का.नि.भा. 2755 दिनांक 24-11-56

उसमें किए गए और संशोधन भारत के राजपत्र के भाग 2, खंड 3, उप-खंड (1) में इस प्रकार प्रकाशित किए गए थे—

5. सा.का.नि. 514 दिनांक 28-6-58
6. सा.का.नि. 1211 दिनांक 20-12-58
7. सा.का.नि. 425 दिनांक 4-4-60
8. सा.का.नि. 169 दिनांक 11-2-61
9. सा.का.नि. 1134 दिनांक 16-9-61
10. सा.का.नि. 1340 दिनांक 4-11-61
11. सा.का.नि. 1564 दिनांक 24-11-62
12. सा.का.नि. 1589 दिनांक 22-10-64
13. सा.का.नि. 1814 दिनांक 11-12-65

14. सा.का.नि. 74 दिनांक 8-1-66

15. सा.का.नि. 382 दिनांक 19-3-66

16. सा.का.नि. 1256 दिनांक 26-8-67

17. सा.का.नि. 1533 दिनांक 24-8-68

18. सा.का.नि. 2163 दिनांक 14-12-68 (शुद्धिपत्र)

19. सा.का.नि. 532 दिनांक 8-3-69
20. सा.का.नि. 1764 दिनांक 26-7-69 (शुद्धिपत्र)
21. सा.का.नि. 2068 दिनांक 30-8-69
22. सा.का.नि. 1808 दिनांक 24-10-70
23. सा.का.नि. 938 दिनांक 12-6-71
24. सा.का.नि. 992 दिनांक 3-7-71
25. सा.का.नि. 553 दिनांक 6-5-72
26. सा.का.नि. 436(प्र) दिनांक 10-10-72
27. सा.का.नि. 133 दिनांक 10-2-73
28. सा.का.नि. 205 दिनांक 23-2-74
29. सा.का.नि. 850 दिनांक 12-7-75
30. सा.का.नि. 508(प्र) दिनांक 27-9-75
31. सा.का.नि. 63 (प्र) दिनांक 5-2-76
32. सा.का.नि. 754 दिनांक 29-5-76
33. सा.का.नि. 856 दिनांक 12-6-76
34. सा.का.नि. 1417 दिनांक 2-10-76
35. सा.का.नि. 4(प्र) दिनांक 4-1-77
36. सा.का.नि. 18(प्र) दिनांक 15-1-77
37. सा.का.नि. 651(प्र) दिनांक 20-10-77
38. सा.का.नि. 702(प्र) दिनांक 5-12-77
39. सा.का.नि. 775(प्र) दिनांक 27-12-77
40. सा.का.नि. 36(प्र) दिनांक 21-1-78
41. सा.का.नि. 70(प्र) दिनांक 8-2-78
42. सा.का.नि. 238(प्र) दिनांक 20-4-78
43. सा.का.नि. 393(प्र) दिनांक 4-8-78
44. सा.का.नि. 590(प्र) दिनांक 23-12-78
45. सा.का.नि. 55(प्र) दिनांक 31-1-79
46. सा.का.नि. 142(प्र) दिनांक 16-3-79 (शुद्धिपत्र)
47. सा.का.नि. 231(प्र) दिनांक 6-4-79
48. सा.का.नि. 423 दिनांक 30-6-79 (शुद्धिपत्र)
49. सा.का.नि. 1043 दिनांक 11-8-79 (शुद्धिपत्र)
50. सा.का.नि. 1210 दिनांक 29-9-79 (शुद्धिपत्र)
51. सा.का.नि. 19(प्र) दिनांक 28-1-80
52. सा.का.नि. 243 दिनांक 1-3-80
53. सा.का.नि. 244 दिनांक 1-3-80
54. सा.का.नि. 996 दिनांक 8-9-80 (शुद्धिपत्र)
55. सा.का.नि. 579(प्र) दिनांक 13-10-80
56. सा.का.नि. 652(प्र) दिनांक 14-11-80
57. सा.का.नि. 710(प्र) दिनांक 22-12-80
58. सा.का.नि. 23(प्र) दिनांक 14-1-81
59. सा.का.नि. 205(प्र) दिनांक 25-3-81 (शुद्धिपत्र)
60. सा.का.नि. 290(प्र) दिनांक 13-4-81
61. सा.का.नि. 444 दिनांक 2-5-81 (शुद्धिपत्र)
62. सा.का.नि. 503(प्र) दिनांक 1-9-81
63. सा.का.नि. 891 दिनांक 3-10-81 (शुद्धिपत्र)
64. सा.का.नि. 1056 दिनांक 5-12-81 (शुद्धिपत्र)
65. सा.का.नि. 80 दिनांक 23-1-86 (शुद्धिपत्र)
66. सा.का.नि. 44(प्र) दिनांक 5-2-82
67. सा.का.नि. 57(प्र) दिनांक 11-2-82
68. सा.का.नि. 245(प्र) दिनांक 11-1-82
69. सा.का.नि. 307(प्र) दिनांक 3-4-82 (शुद्धिपत्र)
70. सा.का.नि. 186 दिनांक 17-1-82 (शुद्धिपत्र)
71. सा.का.नि. 422(प्र) दिनांक 24-5-82
72. सा.का.नि. 476 (प्र) दिनांक 29-4-82
73. सा.का.नि. 504(प्र) दिनांक 20-7-82 (शुद्धिपत्र)
74. सा.का.नि. 753(प्र) दिनांक 11-12-82 (शुद्धिपत्र)
75. सा.का.नि. 109(प्र) दिनांक 26-2-83
76. सा.का.नि. 249(प्र) दिनांक 8-3-83
77. सा.का.नि. 269(प्र) दिनांक 16-3-83
78. सा.का.नि. 281(प्र) दिनांक 26-3-83
79. सा.का.नि. 329(प्र) दिनांक 14-4-83 (शुद्धिपत्र)
80. सा.का.नि. 539(प्र) दिनांक 1-7-83 (शुद्धिपत्र)
81. सा.का.नि. 634 दिनांक 9-8-83 (शुद्धिपत्र)
82. सा.का.नि. 743 (प्र) दिनांक 8-10-83 (शुद्धिपत्र)
83. सा.का.नि. 790(प्र) दिनांक 10-10-83
84. सा.का.नि. 803 (प्र) दिनांक 27-10-83
85. सा.का.नि. 816(प्र) दिनांक 3-11-83
86. सा.का.नि. 829(प्र) दिनांक 7-11-83
87. सा.का.नि. 848(प्र) दिनांक 19-11-83
88. सा.का.नि. 893(प्र) दिनांक 17-12-83 (शुद्धिपत्र)
89. सा.का.नि. 113 दिनांक 20-1-84 (शुद्धिपत्र)
90. सा.का.नि. 500(प्र) दिनांक 9-7-84
91. सा.का.नि. 612(प्र) दिनांक 18-8-84 (शुद्धिपत्र)
92. सा.का.नि. 744(प्र) दिनांक 27-10-84
93. सा.का.नि. 764 (प्र) दिनांक 15-11-84
94. सा.का.नि. 3(प्र) दिनांक 1-1-85
95. सा.का.नि. 11(प्र) दिनांक 4-1-85
96. सा.का.नि. 142 (प्र) दिनांक 8-3-85 (शुद्धिपत्र)
97. सा.का.नि. 293 (प्र) दिनांक 23-3-85
98. सा.का.नि. 368(प्र) दिनांक 18-4-85 (शुद्धिपत्र)
99. सा.का.नि. 385(प्र) दिनांक 29-4-85 (शुद्धिपत्र)
100. सा.का.नि. 543 (प्र) दिनांक 2-7-85
101. सा.का.नि. 550(प्र) दिनांक 4-7-85
102. सा.का.नि. 587(प्र) दिनांक 17-7-85 (शुद्धिपत्र)
103. सा.का.नि. 603 (प्र) दिनांक 24-7-85
104. सा.का.नि. 745(प्र) दिनांक 20-9-85
105. सा.का.नि. 746(प्र) दिनांक 20-9-85
106. सा.का.नि. 748(प्र) दिनांक 23-9-85 (शुद्धिपत्र)
107. सा.का.नि. 892(प्र) दिनांक 6-12-85
108. सा.का.नि. 903(प्र) दिनांक 17-12-85 (शुद्धिपत्र)
109. सा.का.नि. 73(प्र) दिनांक 29-1-86
110. सा.का.नि. 507(प्र) दिनांक 19-3-86
111. सा.का.नि. 724(प्र) दिनांक 29-4-86 (शुद्धिपत्र)
112. सा.का.नि. 851(प्र) दिनांक 19-6-86
113. सा.का.नि. 852(प्र) दिनांक 18-6-86
114. सा.का.नि. 910(प्र) दिनांक 27-6-86
115. सा.का.नि. 939(प्र) दिनांक 9-7-86 (शुद्धिपत्र)

116. सा.का.नि. 1008(प्र) दिनांक 18-8-86 (शुद्धिपत्र)  
 117. सा.का.नि. 1149(प्र) दिनांक 15-10-86 (शुद्धिपत्र)  
 118. सा.का.नि. 1207(प्र) दिनांक 18-11-86 (शुद्धिपत्र)  
 119. सा.का.नि. 1228(प्र) दिनांक 27-11-86  
 120. म.क.नि. 12(प्र) दिनांक 5-1-87  
 121. सा.का.नि. 28(प्र) दिनांक 13-1-87 (शुद्धिपत्र)  
 122. सा.का.नि. 270(प्र) दिनांक 2-3-87  
 123. सा.का.नि. 344(प्र) दिनांक 31-3-87 (शुद्धिपत्र)  
 124. सा.का.नि. 422(प्र) दिनांक 29-4-87 (शुद्धिपत्र)  
 125. सा.का.नि. 449(प्र) दिनांक 29-4-87 (शुद्धिपत्र)  
 126. सा.का.नि. 500(प्र) दिनांक 15-5-87 (शुद्धिपत्र)  
 127. सा.का.नि. 569(प्र) दिनांक 12-6-87 (शुद्धिपत्र)  
 128. सा.का.नि. 840(प्र) दिनांक 6-10-87 129  
 129. सा.का.नि. 900(प्र) दिनांक 10-11-87  
 130. सा.का.नि. 916(प्र) दिनांक 17-11-87  
 131. सा.का.नि. 917(प्र) दिनांक 17-11-87  
 132. सा.का.नि. 918(प्र) दिनांक 17-11-87 (शुद्धिपत्र)  
 133. सा.का.नि. 72(प्र) दिनांक 3-2-88 (शुद्धिपत्र)  
 134. सा.का.नि. 73(प्र) दिनांक 2-2-88 (शुद्धिपत्र)  
 135. सा.का.नि. 366(प्र) दिनांक 23-2-88 (शुद्धिपत्र)  
 136. सा.का.नि. 367(प्र) दिनांक 21-3-88  
 137. सा.का.नि. 437(प्र) दिनांक 8-4-88  
 138. सा.का.नि. 436(प्र) दिनांक 8-4-88  
 139. सा.का.नि. 454(प्र) दिनांक 8-4-88  
 140. सा.का.नि. 618(प्र) दिनांक 16-5-88  
 141. सा.का.नि. 855(प्र) दिनांक 12-8-88  
 142. सा.का.नि. 856(प्र) दिनांक 12-8-88  
 143. सा.का.नि. 924(प्र) दिनांक 13-9-88 (शुद्धिपत्र)  
 144. सा.का.नि. 1081 (प्र) दिनांक 17-11-88  
 145. सा.का.नि. 1157(प्र) दिनांक 9-12-88  
 146. सा.का.नि. 42(प्र) दिनांक 20-1-89 (शुद्धिपत्र)

#### MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 18th October, 1989

G.S.R. 902 (E).—The following draft of certain rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954) and after consultation with the Central Committee for Food Standards, is hereby published as required by sub-section 1 of section 23 of the said Act for the information of all persons likely to be affected thereby; and; notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration on or after the expiry of a period of sixty days from the date on which the copies of the Gazette of India in which this notification is published are made available to the public.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said rules before the

expiry of the period so specified, will be considered by the Central Government.

#### DRAFT RULES

These rules may be called Prevention of Food Adulteration (Amendment) Rules, 1989.

2. In the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 20 of the said rules, for the word "and gur" wherever occurring, the following words shall be substituted, namely:—

"gur prepared coffee and prepared tea".

3. In rule 42.—

(a) for sub-rule (S), the following shall be substituted, namely:—

"(S) Every package of food, which contains Monosodium Glutamate shall bear the following label, namely:—

-----  
 This package-----contains Monosodium Glutamate  
 -----

UNFIT FOR INFANTS BELOW 12 MONTHS  
 -----

(b) sub-rule (U) shall be omitted.

(c) for rule (ZZZ) (2), the following shall be substituted, namely:—

"(ZZZ) (2) — Every package of Aspartame (methyl ester) marketed as table top sweetener shall carry the following label, namely:— ]

(a) Artificial Sweetener for diabetics:

(b) Not for pregnant women and Phenylketonurics.

4. In rule 62 of the said rules, after the proviso, the following proviso shall be inserted, namely:

"Provided further that calcium, potassium or sodium ferrocyanide may be used as crystal modifiers and anti-caking agent in vacuum evaporated salt in a quantity not exceeding 10 mg/kg singly or in combination expressed as ferrocyanide".

5. In Appendix 'B' of the said rules,—

(a) after item A.16.14, the following item shall be inserted, namely:—

"A.16.15—Fruit jelly means the product prepared by boiling the fruit or its pieces with or without water straining, mixing the strained and clear juice extract with sugar and boiling the mixture to a stage at which it will not set to form clear gel. The product shall be transparent well-set, but not too stiff and should have the original flavour of the fruit.

It may contain sugar, dextrose, invert sugar or liquid glucose, herbs spices, honey, fruit essence and flavours, dried fruits, ascorbic acid, citric acid, and preservatives. It shall be free from artificial sweetening agents. It shall show no sign of fermentation. It shall not contain less than 45 per cent of the named fruit. Total soluble solids w/w shall not be less than 68 per cent. It shall be free from extraneous plant materials, bleached or discoloured or bruised fruit material. The product shall be clear and shall contain no burnt defects.

A.16.16—Pickles means the preparation made from sound clean, raw or sufficiently mature fruits or vegetables or a combination or both, free from insect damage or fungus attack.

It shall contain fruit and/or vegetable and a liquid or semi-solid packing medium consisting of two or more of the following combination with salt, spices and condiments. The pickle may contain onion, garlic, ginger, sugar, jaggery, edible oils, spices oil, mustard seed or powder, vegetable ingredients, asafoetida, turmeric pepper, bengal gram, lime juice, green chillies, fenugreek, vinegar, citrus juice and dried fruits.

#### 1. Combinations:—

(i) Pickles in citrus juice or brine: The percentage of salt in the covering liquid shall be not less than 10 per cent when salt is used as a major preserving agent. When packed in citrus juice, acidity of the covering liquid shall be not less than 2 per cent calculated as citric acid.

(ii) Pickles in oil: The fruit or vegetable percentage in the final product shall not be less than 60 per cent. The pickle shall be covered with oil so as to form a layer of not less than 0.5 gm above the contents or the percentage of oil in the pickle shall be not less than 10 per cent.

A.16.17—Pickle in vinegar: Pickle in vinegar means the preparation from sound, clean, raw or sufficiently matured fruits or vegetable free from insect damage or fungus attack, which have been cured in brine or dry salt or salted and dried stack with or without natural fermentation. It shall contain vinegar. It may contain sugar, whole or ground or semi-ground, spices, dried fruits, green and red chillies, ginger and other ingredients suitable to the product. The percentage of acidity of the fluid portion shall be not less than 2 per cent weight/weight calculated as acetic acid.

The drained weight of the product shall be not less than 60 per cent. The fluid portion of the pickle which is vinegar shall not contain any ingredients other than spices, salt and sugar. The product shall be free from sediments."

[No. P.15014/5/88-PH(F&N)]  
VINEETA RAI, Jr. Secy.

Note : The prevention of Food Adulteration rules 1955 were first published in Part II Section 3 of the Gazette of India vide S.R.O. 2106 dated 12-9-55 and subsequently amended as follows by:—

1. S.R.O. 1202 dt. 26-5-56
2. S.R.O. 1687 dt. 28-7-56
3. S.R.O. 2213 dt. 28-9-56 (Extraordinary)
4. S.R.O. 2755 dt. 24-11-56

The further amendments were published in Part II, Section 3 sub-section (i) of Gazette of India as follows by:—

5. G.S.R. 514 dt. 28-6-58
6. G.S.R. 1211 dt. 20-12-58
7. G.S.R. 425 dt. 4-4-60
8. G.S.R. 169 dt. 11-2-61
9. G.S.R. 1134 dt. 16-9-61
10. G.S.R. 1340 dt. 4-11-61
11. G.S.R. 1564 dt. 24-11-62
12. G.S.R. 1589 dt. 22-10-64
13. G.S.R. 1814 dt. 11-12-65
14. G.S.R. 74 dt. 8-1-66
15. G.S.R. 382 dt. 19-3-66
16. G.S.R. 1256 dt. 26-8-67
17. G.S.R. 1533 dt. 24-8-68

2908 GI/89—2

18. G.S.R. 2163 dt. 14-12-68 (Corrigendum)
19. G.S.R. 532 dt. 8-3-69
20. G.S.R. 1764 dt. 26-7-69 (Corrigendum)
21. G.S.R. 2068 dt. 30-8-69
22. G.S.R. 1808 dt. 24-10-70
23. G.S.R. 938 dt. 12-6-71
24. G.S.R. 992 dt. 3-7-71
25. G.S.R. 553 dt. 6-5-72
26. G.S.R. 436 (E) dt. 10-10-72
27. G.S.R. 133 dt. 10-2-73
28. G.S.R. 205 dt. 23-2-74
29. G.S.R. 850 dt. 12-7-75
30. G.S.R. 508 (E), dt. 27-9-75
31. G.S.R. 63(E) dt. 5-2-76
32. G.S.R. 754 dt. 29-5-76
33. G.S.R. 755 dt. 29-5-76
34. G.S.R. 856 dt. 12-6-76
35. G.S.R. 1417 dt. 2-10-76
36. G.S.R. 4(E) dt. 4-1-77
37. G.S.R. 18(E) dt. 15-1-77
38. G.S.R. 651(E) dt. 20-10-77
39. G.S.R. 732 (E) dt. 5-12-77
40. G.S.R. 775(E) dt. 27-12-77
41. G.S.R. 36(E) dt. 21-1-78
42. G.S.R. 70(E) dt. 8-2-78
43. G.S.R. 238(E) dt. 20-4-78
44. G.S.R. 373 (E) dt. 4-8-78
45. G.S.R. 590 (E) dt. 23-12-78
46. G.S.R. 55(E) dt. 31-1-79
47. S.O. 142 (E) dt. 16-3-79 (Corrigendum)
48. G.S.R. 231 (E), dt. 6-4-79
49. G.S.R. 1043 dt. 11-8-79 (Corrigendum)
50. G.S.R. 1210 dt. 29-9-79 (Corrigendum)
51. G.S.R. 19 (E) dt. 28-1-80
52. G.S.R. 243 dt. 1-3-80
53. G.S.R. 244 dt. 1-3-80
54. G.S.R. 996 dt. 27-9-80 (Corrigendum)
55. G.S.R. 579 (E) dt. 13-10-80
56. G.S.R. 652 (E) dt. 14-11-80
57. G.S.R. 710 (E) dt. 22-12-80
58. G.S.R. 23 (E) dt. 16-1-81
59. G.S.R. 205 (E) dt. 25-3-81 (Corrigendum)
60. G.S.R. 290 (E) dt. 13-4-81
61. G.S.R. 444 dt. 2-5-81 (Corrigendum)
62. G.S.R. 503 (E) dt. 1-9-81
63. G.S.R. 891 dt. 3-10-81 (Corrigendum)
64. G.S.R. 1056 dt. 5-12-81 (Corrigendum)
65. G.S.R. 80 dt. 23-1-82 (Corrigendum)
66. G.S.R. 44 (E) dt. 5-2-82
67. G.S.R. 57 (E) dt. 11-2-82
68. G.S.R. 245 (E) dt. 11-3-82
69. G.S.R. 307 (E) dt. 3-4-82 (Corrigendum)
70. G.S.R. 386 dt. 17-4-82 (Corrigendum)
71. G.S.R. 422 (E) dt. 24-5-82
72. G.S.R. 476 (E) dt. 29-6-82
73. G.S.R. 504 (E) dt. 20-7-82 (Corrigendum)



- |  |   |
|--|---|
| 74. G.S.R. 753 (E) dt. 11-12-82 (Corrigendum)  | 109. G.S.R. 73 (E) dt. 29-1-86                  |
| 75. G.S.R. 109 (E) dt. 26-2-83                 | 110. G.S.R. 507(E) dt. 19-3-86                  |
| 76. G.S.R. 249 (E) dt. 8-3-83                  | 111. G.S.R. 724 (E) dt. 29-4-86 (Corrigendum)   |
| 77. G.S.R. 268 (E) dt. 16-3-83                 | 112. G.S.R. 851 (E) dt. 13-6-86                 |
| 78. G.S.R. 283 (E) dt. 26-3-83                 | 113. G.S.R. 852 (E) dt. 13-6-86                 |
| 79. G.S.R. 329 (E) dt. 14-4-83 (Corrigendum)   | 114. G.S.R. 910 (E) dt. 27-6-86                 |
| 80. G.S.R. 539 (E) dt. 1-7-83 (Corrigendum)    | 115. G.S.R. 939 (E) dt. 9-7-86 (Corrigendum)    |
| 81. G.S.R. 634 dt. 9-8-83 (Corrigendum)        | 116. G.S.R. 1008 (E) dt. 18-8-86 (Corrigendum)  |
| 82. G.S.R. 743 dt. 8-10-83 (Corrigendum)       | 117. G.S.R. 1149 (E) dt. 15-10-86 (Corrigendum) |
| 83. G.S.R. 790 (E) dt. 10-10-83                | 118. G.S.R. 1207 (E) dt. 18-11-86 (Corrigendum) |
| 84. G.S.R. 803 (E) dt. 27-10-83                | 119. G.S.R. 1228(E) dt. 27-11-86                |
| 85. G.S.R. 816 (E) dt. 3-11-83                 | 120. G.S.R. 12(E) dt. 5-1-87                    |
| 86. G.S.R. 829 (E) dt. 7-11-83                 | 121. G.S.R. 28(E) dt. 13-1-87 (Corrigendum)     |
| 87. G.S.R. 848 (E) dt. 19-11-83                | 122. G.S.R. 270 (E) dt. 2-3-87                  |
| 88. G.S.R. 893 (E) dt. 17-12-83 (Corrigendum)  | 123. G.S.R. 344 (E) dt. 31-3-87 (Corrigendum)   |
| 89. G.S.R. 113 dt. 20-1-84 (Corrigendum)       | 124. G.S.R. 422 (E) dt. 29-4-87 (Corrigendum)   |
| 90. G.S.R. 500 (E) dt. 9-7-84                  | 125. G.S.R. 449 (E) dt. 29-4-87 (Corrigendum)   |
| 91. G.S.R. 612 (E) dt. 18-8-84 (Corrigendum)   | 126. G.S.R. 500 (E) dt. 15-5-87 (Corrigendum)   |
| 92. G.S.R. 744 (E) dt. 27-10-84                | 127. G.S.R. 569 (E) dt. 12-6-87 (Corrigendum)   |
| 93. G.S.R. 764 (E) dt. 15-11-84                | 128. G.S.R. 840 (E) dt. 6-10-87                 |
| 94. G.S.F. 3(E) dt. 1-1-85                     | 129. G.S.R. 900 (E) dt. 10-11-87                |
| 95. G.S.R. 11 (E) dt. 4-1-85                   | 130. G.S.R. 916 (E) dt. 17-11-87                |
| 96. G.S.R. 142 (E) dt. 8-3-85 (Corrigendum)    | 131. G.S.R. 817 (E) dt. 17-11-87                |
| 97. G.S.R. 293 (E) dt. 23-3-85                 | 132. G.S.R. 918 (E) dt. 17-11-87 (Corrigendum)  |
| 98. G.S.R. 363 (E) dt. 18-4-85 (Corrigendum)   | 133. G.S.R. 72(E) dt. 3-2-88 (Corrigendum)      |
| 99. G.S.R. 385 (E) dt. 29-4-85 (Corrigendum)   | 134. G.S.R. 73 (E) dt. 3-2-88 (Corrigendum)     |
| 100. G.S.R. 543 (E) dt. 2-7-85                 | 135. G.S.R. 366(E) dt. 23-3-88 (Corrigendum)    |
| 101. G.S.R. 550(E) dt. 4-7-85                  | 136. G.S.R. 367(E) dt. 23-3-88                  |
| 102. G.S.R. 587 (E) dt. 17-7-85 (Corrigendum)  | 137. G.S.R. 437 (E) dt. 8-4-88                  |
| 103. G.S.R. 605 (E) dt. 24-7-85                | 138. G.S.R. 436 (E) dt. 8-4-88                  |
| 104. G.S.R. 745 (E) dt. 20-9-85                | 139. G.S.R. 454 (E) dt. 8-4-88                  |
| 105. G.S.R. 746 (E) dt. 20-9-85                | 140. G.S.R. 618 (E) dt. 16-5-88                 |
| 106. G.S.R. 748 (E) dt. 23-9-85 (Corrigendum)  | 141. G.S.R. 855 (E) dt. 12-8-88                 |
| 107. G.S.R. 892 (E) dt. 6-12-85                | 142. G.S.R. 856 (E) dt. 12-8-88                 |
| 108. G.S.R. 903 (E) dt. 17-12-85 (Corrigendum) | 143. G.S.R. 924 (E) dt. 13-9-88 (Corrigendum)   |
|  | 144. G.S.R. 1081 (E) dt. 17-11-88               |